हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

11 जैन समाज ने भगवान पार्श्वनाथ की जयंती श्रद्धा...

12 दिल्ली–रोहतक रोड बना ध्वनि प्रदूषण...

एमआईई पार्ट-बी में बनेगा डॉग शेल्टर होम और स्क्रैप यार्ड

बहादुरगढ़। शहर की सड़क पर आराम फरमाते डॉग्स। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद ने लगाया 98 लाख रुपये का टेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पिछले दिनों खाली करवाई थी शामलात भूमि

नगर परिषद द्वारा बीते दिनों एमआईई के पार्ट-बी क्षेत्र में पीवीसी मार्केट के निकट शामलात भूमि को खाली करवाया गया था। अब इस जमीन पर शहर का पहला डॉग शेल्टर होम और स्क्रैप यार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए नगर परिषद ने करीब 98 लाख रुपये का टेंडर लगाया है। चेयरपर्सन सरोज राठी के अनुसार डॉग शेल्टर के निर्माण से शहर के खतरनाक कुत्तों की उचित देखभाल होगी और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। बता दें कि शहर की लगभग सभी गलियों में आवारा कुत्तों की भरमार है। कई कुत्ते खतरनाक होकर आमजन विशेषकर बच्चों को काट रहे हैं। बीते साढ़े 4 साल के दौरान कुत्ते से काटने के 42 हजार से अधिक केस नागरिक अस्पताल में पहुंचे हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने भी आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण और रेबीज मुक्त अभियान को लेकर सख्त निर्देश जारी किए थे। इसी कड़ी में नगर परिषद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए 3 हजार आवारा कुत्तों की नसबंदी कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए परिषद की ओर से करीब 36 लाख रुपये का वर्क ऑर्डर भी जारी किया जा चुका है। शहर में लगातार बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या और डॉग बाइट की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नगर परिषद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का संज्ञान लेते हुए एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब आधुनिक औद्योगिक संपदा में खाली करवाई गई शामलात भूमि पर डॉग शेल्टर होम और स्क्रैप यार्ड बनाया जाएगा।

साढ़े 4 साल में कुत्ते से काटने के 42 हजार से अधिक केस नागरिक अस्पताल में पहुंचे

यह डॉग शेल्टर होम आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा: सरोज

बहादुरगढ़। सरोज राठी

नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि यह डॉग शेल्टर होम आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां आवारा कुत्तों की नसबंदी (बधियाकरण), इलाज, रेबीज फ्री टीकाकरण के साथ-साथ आक्रामक कुत्तों को रखने के लिए अलग-अलग बाड़े भी बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शेल्टर होम में होने वाली हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी, ताकि पारदर्शिता और सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा नगर परिषद की प्राथमिकता है। इसी के तहत शहरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी कराने और रेबीज फ्री टीकाकरण के बाद उन्हें उसी स्थान पर वापस छोड़ने की प्रक्रिया के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है। सरोज राठी ने कहा कि डॉग शेल्टर होम बनने से खतरनाक कुत्तों की संख्या नियंत्रित होगी, उन्हें मानवीय और सुरक्षित वातावरण भी मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बहादुरगढ़ को डॉग बाइट की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी और शहर में एक सुरक्षित व संतुलित वातावरण बनेगा।

खबर संक्षेप

झज्जर। अपनी दादी के साथ पायलट अक्षिता जाखड़।

होनहार बेटी अक्षिता जाखड़ बनी पायलट

झज्जर। क्षेत्र के गांव ढाणा की बेटी अक्षिता जाखड़ को 216 कोर्स के फ्लाइट कैडेट्स के साथ एयर फोर्स अकादमी में आयोजित दीक्षांत परेड में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान द्वारा राष्ट्रपति कमीशन प्रदान किया गया है। भारतीय वायुसेना की पायलट बनी अक्षिता ने अपनी दादी का सपना पूरा किया है। जब अक्षिता ने अपनी दादी के सिर पर पायलट की कैप पहनाई तो खुशी से गदगद हो उठीं। अक्षिता की इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ गांव में भी खुशी की लहर है।

घरेलू विवाद में पति-पत्नी में झगड़ा

बहादुरगढ़। शहर की एक रेजिडेंसी में रविवार सुबह घरेलू विवाद के दौरान पति और पत्नी में झगड़ा हो गया। आरोप है कि पति ने जहां पत्नी के साथ मारपीट की। वहीं पत्नी ने भी चाकू से हमला कर दिया। दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

इस्माइलपुर गांव में दंपती पर हमला

बहादुरगढ़। थाना बादली क्षेत्र के गांव इमसाइलपुर में एक दंपती पर लाठी-डंडों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना में कार्यरत सतीश कुमार छुट्टी पर घर आया हुआ था। वह अपनी पत्नी सुशीला के साथ घर के निकट एक कार्यक्रम में गया था। वहां देवेंद्र, सुरेंद्र, अजय, साहिल व ललित आदि ने उनके साथ मारपीट की। हमले के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। किसी तरह जान बचाकर दंपती वहां से भागे। पुलिस शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 115(2), 126, 190, 191(2), 351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जिला मुख्यालय पर आज समाधान शिविर

झज्जर। जिले में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर सोमवार को आयोजित किए जाएंगे। सुबह दस बजे से 12 बजे तक दो घंटे शिविरों का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा जहां डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में लघु सचिवालय परिसरों में समाधान शिविर आयोजित होंगे।

झज्जर-रेवाड़ी मार्ग पर कुलाना गांव के नजदीक हादसा, पीछे से आ रही दो अन्य बसें भी भिड़ीं

कोहरे के कारण खड़े ट्रक में टकराई श्रद्धालुओं की बस, दस से अधिक घायल, चालक गंभीर

खाटू श्याम के दर्शन कर वापस बहादुरगढ़ लौट रहे थे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को क्षेत्र में छाए घने कोहरे के कारण झज्जर-रेवाड़ी मार्ग पर कुलाना गांव के नजदीक श्रद्धालुओं से भरी एक बस सड़क पर खड़े एक ट्रक से जा टकराई।

बस की टक्कर के बाद कोहरे के चलते पीछे चल रही निजी कंपनियों की दो अन्य बसें भी श्रद्धालुओं की बस से जा भिड़ी। गणीमत यह रहा कि इस दुर्घटना में सभी की जान बच गई। दुर्घटना में बस चालक सहित करीब दस से अधिक लोग घायल हुए हैं।

घायलों में बस चालक की हालत गंभीर है जबकि अन्य लोगों को मामूली चोट लगी है। इस दुर्घटना में बस चालक बेरी निवासी करीब 39 वर्षीय रवि पुत्र धर्मबीर को गंभीर चोटों के कारण उसे चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रैफर किया गया है। रवि ने बताया कि बहादुरगढ़ से एक भजन मंडली के श्रद्धालु राजस्थान स्थिति श्रीखाटू धाम में बाबा के दर्शन के लिए गए थे। सुबह जब सभी श्रद्धालुओं को दर्शन करके वे वापिस बहादुरगढ़ लौट रहे थे तो उनकी बस कुलाना गांव के नजदीक सड़क पर खड़े एक खराब हुए ट्रक से जा टकराई। इसके तुरंत पीछे चल रही दो अन्य बसें भी जा भिड़ीं जो कंपनी के कर्मचारियों को लेकर जा रही थी। इसके बाद घायल श्रद्धालुओं को रेवाड़ी, पाटौदा व शहर के निजी व सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया है।

झज्जर। क्षतिग्रस्त बस जेसीबी से बीच रास्ते से हटवाते पुलिसकर्मी।

धुंध के कारण हुआ हादसा

माछरौली थाना प्रभारी संदेश ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे उन्हें धुंध के कारण तीन बसों के भिड़ने की सूचना मिली थी। जिसमें सबसे आगे वाली बस खाटू श्याम से लौट रही थी। बस चालक के अनुसार धुंध के कारण यह हादसा हुआ है। इस दुर्घटना में दस से अधिक लोगों को चोटें आई है जिसमें चालक की हालत गंभीर है। उसे रोहतक रैफर किया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

निजी अस्पताल में भी दाखिल मरीज

झज्जर। बस चालक रवि को रोहतक पीजीआई ले जाते हुए परिजन। फोटो : हरिभूमि

बस के घायलों में चार लोगों को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल भी लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हें उपचार के बाद छुट्टी दी गई। निजी अस्पताल में दाखिल हुए श्रद्धालुओं में रोहतक निवासी आयुष पुत्र संजय, बहादुरगढ़ निवासी आशीष जैन पुत्र सुभाष, राजेश जैन पुत्र आत्माराम , राजीव मित्तल शामिल रहे।

धुंध व कोहरे को लेकर जारी की एडवाइजरी

वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील

झज्जर। कोहरे की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस द्वारा आमजन एवं वाहन चालकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने जारी एडवाइजरी में कहा कि धुंध के कारण होने वाले हादसों को थोड़ी सी सावधानी से रोका जा सकता है। वाहन चालकों से यातायात नियमों की पालना करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कोहरे में गाड़ी चलाते समय वाहन चालक सड़क के बाएं किनारे को ध्यान में रखते हुए नियंत्रित गति में वाहन चलाएं और अपने वाहनों की हेडलाइट लो-बीम पर रखें ताकि सामने वाले वाहन को भी गाड़ी स्पष्ट रूप से दिख सके। उन्होंने बताया कि हाईवे पर सड़कों के किनारे बनी पीली लाइन का अनुसरण बहुत उपयोगी होता है, इससे वाहन चालक दिशा भटकने से बचते हैं। यदि मोड़ लेना हो तो काफी पहले से इंडिकेटर दें ताकि पीछे आने वाले वाहन चालक को समय रहते संकेत मिल सके।

झज्जर। डॉक्टर राजश्री सिंह, पुलिस कमिश्नर झज्जर।

उन्होंने कहा कि सभी वाहन चालक अपने वाहनों में फॉग लाइट लगवाएं, यह घने कोहरे को चीरकर रोशनी आगे तक पहुंचाने में मदद करती है। वाहन की गति नियंत्रित रखें तथा ओवरटेक करने से बचें। उन्होंने ट्रक, टैंपो व भारी वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर लगाए जाने पर बल देते हुए बताया कि रिफ्लेक्टर के माध्यम से कम दृश्यता की स्थिति में भी पीछे से आने वाले वाहन उन्हें आसानी से देख सकें। इसके अलावा जारी एडवाइजरी में सड़क पर गाड़ी खड़ी न करने, खराब होने की स्थिति में सड़क से नीचे हटाने व सभी लाइटें चालू रखने की बात कही गई है। पुलिस कमिश्नर ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष गश्त बढ़ाने के निर्देश भी किए।

कोहरे के कारण दिनचर्या प्रभावित, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

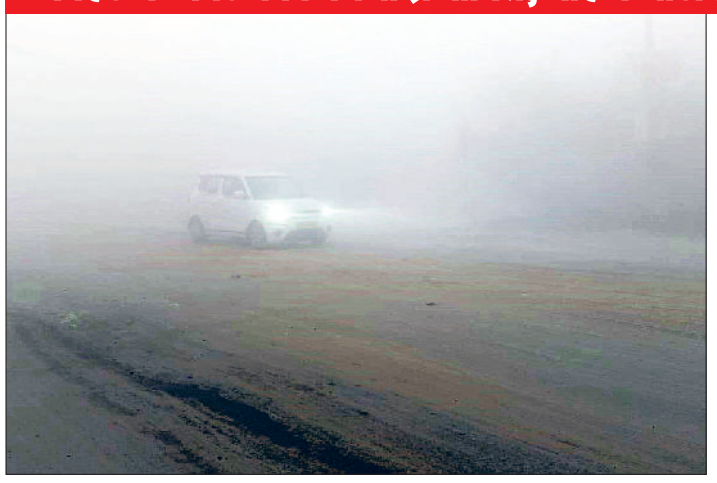

झज्जर। घने कोहरे के बीच गुजरते हुए वाहन ।

झज्जर। दिनों-दिन बढ़ती ठंड बीच रविवार को पहला ऐसा दिन रहा जब अलसुबह पड़ा कोहरा करीब दस बजे तक छाया रहा। आबादी वाले क्षेत्रों की अपेक्षा बाहरी क्षेत्रों में दृश्यता भी करीब दस मीटर तक रही। ऐसे में वाहन चालकों को काफी परेशानी करना पड़ा। छोटे-बड़े वाहन कोहरे की चादर के बीच रेंगते हुए नजर आए। धुंध के बीच कई स्थानों पर वाहन भी एक-दूसरे से जा टकराए। इस कारण लोगों की नियमित दिनचर्या भी प्रभावित रही। कोहरा छंटने के बाद लोगों को राहत मिली। ठंड के कारण न्यूनतम तापमान भी 11 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। चिकित्सकों द्वारा बच्चों व बुजुर्गों को सुबह व शाम की सैर से परहेज करने की सलाह दी जा रही है।

ग्रेप-4 नियमों की सख्ती से हो पालना : डीसी

झज्जर। जिले में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशानुसार ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चौथे चरण की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि ग्रेप-4 का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को त्वरित रूप से नियंत्रित करना तथा आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रशासन, उद्योग, निर्माण एजेंसियों एवं नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे नियमों की पूर्ण एवं सख्त पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि ग्रेप-4 के चलते आमजन सिटीजन चार्टर में दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें। विशेषकर अस्वस्थ बच्चे व बुजुर्ग अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। घर एवं कार्यालय में धूल नियंत्रण रखें व गीली सफाई अपनाएं। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मास्क का प्रयोग करें। इसके अलावा उन्होंने खुले में कचरा या अवशेष न जलाने, किसी भी प्रकार का निर्माण व ध्वस्तीकरण कार्य न करने, आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटर सेट का उपयोग न करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झज्जर। धूल नियंत्रण के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करते हुए टैंकर।

विजेता जूडो खिलाड़ी 21 को कैथल में स्टेट खेलेंगे

जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बराही गांव में जूनियर डिस्ट्रिक्ट ब्वॉयज एवं गर्ल्स जूडो प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर के खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए भाग लिया। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

जिला प्रधान रेनू काजला ने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 21 दिसंबर को कैथल में होने वाली राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। लड़कियों के वर्ग में ईशा, रेनू, आरुषि, दीक्षा विजेता रही। जबकि लड़कों के वर्ग में यश, तुषार, यश, हिमांशु, अरविंद, आर्यन, प्रियांशु, जतिन, अमनदीप विजेता रहे। भाजपा के जिला महामंत्री रविंद्र छिल्लर ने प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया और विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने कहा कि आज खेलों में करियर और रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं। इस मौके पर कोच अनिल अहलावत, कोच बिजेंद्र, अमनदीप व खलीफा बलजीत आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। जूडो खिलाड़ियों व ग्रामीणों के साथ जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही।

अभिभावकों से अपील

अभिभावकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करें। हरियाणा की नायब सरकार खेलों और खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है, जिसका लाभ युवाओं को उठाना चाहिए।

छठ घाट पर गंदगी से दूषित हो रहा पेयजल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की नहर पर स्थित छठ घाट के आसपास इन दिनों भारी गंदगी जमा होने से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। घाट के किनारे कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक, फूल-माला, पूजा सामग्री और घरेलू अपशिष्ट खुले में पड़ा हुआ है, जिससे न केवल वातावरण दूषित हो रहा है बल्कि नहर के पानी की शुद्धता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इसी नहर से जुड़े जल स्त्रोतों के माध्यम से कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति होती है। गंदगी और अपशिष्ट के कारण पानी में दुर्गंध आने लगी है और रंग भी बदला हुआ नजर आता है। ऐसे में दूषित पानी पीने से लोगों के बीमार होने की आशंका लगातार बढ़ रही है। क्षेत्र में पेट दर्द, उल्टी-दस्त और त्वचा संबंधी रोगों की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। छठ पर्व के दौरान घाट की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है, लेकिन पर्व समाप्त होते ही प्रशासनिक लापरवाही के चलते गंदगी जस की तस पड़ी रहती है। नियमित सफाई व्यवस्था न होने और कूड़ा निस्तारण की उचित व्यवस्था के अभाव में स्थिति और बिगड़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि छठ घाट और नहर क्षेत्र में तत्काल सफाई अभियान चलाया जाए, कूड़ा डालने वालों पर कार्रवाई हो तथा पानी की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। साथ ही, पेयजल आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ पानी मिल सके और स्वास्थ्य संबंधी खतरे से बचा जा सके।

बहादुरगढ़। नहर किनारे छठ घाट पर फैली गंदगी।

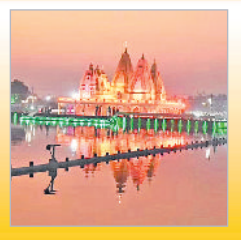

गीता जयंती महोत्सव

कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव, भगवद गीता के जन्मदिवस (मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह एक विशाल वार्षिक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जहां भक्त ब्रह्म सरोवर में स्नान करते हैं, श्लोक पाठ, भजन, नाटक और शिल्प मेले (सरस मेला) में भाग लेते हैं। यह आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा पर्यटन द्वारा कई देशों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

कला और संस्कृति का अनूठा संगम है फल्गु महोत्सव

लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

संस्कृति

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत हैं। यहाँ की माटी से उठती सुगंध केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं है बल्कि लोकगीतों, नृत्यों, रागनियों और धार्मिक आस्थाओं में भी साँस लेती है। इन्हीं लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। जो न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

इस महोत्सव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यह भी सिद्ध कर दिया कि लोककलाएँ आज भी समाज की आत्मा हैं और जब इन्हें उचित मंच मिलता है, तो ये सांस्कृतिक चेतना की नई धाराओं को जन्म देती हैं। ऐसे में यह उत्सव तब और भी प्रासंगिक तथा प्रभावशाली हो जाता है जब इसका आयोजन कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन पर किया जाता है। हरियाणा के कैथल जिले के गाँव फरल में स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन की बात चली है तो बताते चलें कि वामन पुराण के अनुसार, घने वनों से आच्छादित कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर सात प्रमुख वन थे, जिनमें से एक था फल्कीवन। यह पावन भूमि सरस्वती और दृषद्वती नदियों के जल से पोषित थी। दृषद्वती नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन तक रहा है, जिसके अवशेष आज भी गाँव फरल के पूर्व में देखे जा सकते हैं। इस भूमि पर महर्षि श्री फल्क ने कठोर साधना की, और उन्हीं के नाम पर यह स्थान 'फल्कीवन' कहलाया। कालांतर में, यही वन फल्गु तीर्थ बना और इसके कारण ही गाँव का नाम 'फरल' पड़ा। यह तीर्थ पितृकर्म के लिए विश्वभर में विख्यात है, जिसका वर्णन महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। वामन पुराण के 36वें अध्याय में वर्णित है :

"सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन तथा।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम।।49।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
तथा श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।50।।"

अर्थात सोमवार के दिन अमावस्या के अवसर पर फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को गया जी में किए गए श्राद्ध की तरह ही तृप्त और प्रसन्न करता है।

फल्गु तीर्थ केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहाँ 17वीं शताब्दी का मुगलकालीन शिव मंदिर, नागर शैली में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर, विशाल सरोवर और एक अत्यंत प्राचीन वटवृक्ष इसकी महत्ता को और भी बढ़ा देते हैं। समीप स्थित पणिश्वर तीर्थ भी है, जिसे महाभारत के अनुशासन पर्व में 'पाणिखात' कहा गया है।

फल्गु तीर्थ पर सांस्कृतिक आयोजनों का इतिहास भले ही शानदार हो, लेकिन इस आयोजनों के बीच आने वाला लंबा अंतराल परंपरा के सरंक्षण में बाधक बन रहा था। जिसे दूर करने का बीड़ा फल्गु मंदिर सुधार समिति ने उठाया। समिति के संरक्षक जयगोपाल शर्मा के मार्गदर्शन में, वर्ष 2011 में पहली बार एक दिवसीय भजन संध्या का आयोजन हुआ। यह छोटा-सा प्रयास गाँव की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला दीपक साबित हुआ। धीरे-धीरे यह परंपरा बढ़ती गई और उत्सव का दायरा एक दिन से बढ़कर सात दिन तक पहुँच गया। हरियाणवी सांग, रागनी, लोकनृत्य, भजन और कवि सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रमों ने इस मंच को बहुआयामी बना दिया। 2016 में जब हरियाणा कला परिषद इस उत्सव से जुड़ी, तो आयोजन को नई ऊर्जा मिली। सरकार के सहयोग और कलाकारों की बढ़ती भागीदारी ने इसे राज्यस्तरीय पहचान दिलाई। वर्ष दर वर्ष इस महोत्सव में कलाकारों की संख्या निरंतर बढ़ती रही। 2016 में जहाँ 35 कलाकारों ने भाग लिया, वहीं 2017 में यह संख्या 180 तक पहुँच गई। 2018 और 2019 में यह परंपरा जारी रही। 2020 में महामारी के कारण उत्सव ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसमें 120 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 2021 से फिर प्रत्यक्ष आयोजन शुरू हुआ और हरियाणा साहित्य अकादमी भी इससे जुड़ गई। इससे गाँव में कवि सम्मेलन की एक नई परंपरा का जन्म हुआ, जिसने लोककलाओं के साथ-साथ साहित्य को भी इस मंच पर स्थान दिया। यह उत्सव हरियाणा सरकार की विभिन्न परीक्षाओं में भी एक प्रश्न बनकर उभरा है कि 'फल्गु उत्सव कब और कहाँ आयोजित होता है?', जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और महत्ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में पहले आयोजनों की परंपरा को निभाने के बाद वर्ष 2023 से महोत्सव कला और सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वित्तीय सहायता से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

हाल ही में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा तथा फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितम्बर 2025 तक फल्गु तीर्थ, फरल (कैथल) में तीन दिवसीय फल्गु लोककला महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली और क्षीरधारा करनाल का विशेष सहयोग रहा। 12 सितम्बर को पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा (निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) के सान्निध्य में मुख्य अतिथि सतपाल जाम्बा, विधायक पूंडरी, अध्यक्ष मनजीत सिंह (सदस्य सचिव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रामबीर सिंह 'राम' और समाजसेवी विकास गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुकेश द्वारा गणेश वंदना,

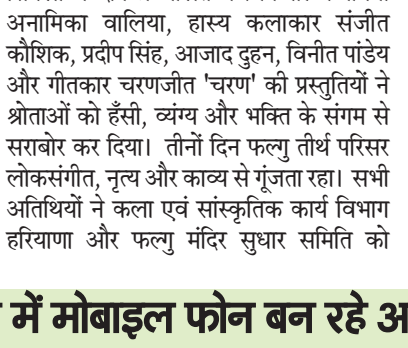

सत्यवान व सोनी की 'कुएं की पनिहारी', सीमा वत्स की 'काला-काला कहे गुजरी' तथा बलराज और उनकी टीम की 'जर-जोरू और जमीन' जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक-संवेदना से भर दिया।महोत्सव के दूसरे दिन 13 सितम्बर को लोकगायन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी (कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद), अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल (प्राचार्य, जनता कॉलेज, कौल) ने किया महाबीर गुड्डू ने भी सुप्रसिद्ध रागनी 'गंगा जी तेरे खेत मैं' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। 14 सितम्बर को अंतिम दिन हरियाणवी मखौल एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी), अध्यक्ष सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि कर्म सिंह, डॉ. पवन वर्मा (निदेशक, आकाशवाणी हिसार) और विजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री अनामिका वालिया, हास्य कलाकार संजीत कौशिक, प्रदीप सिंह, आजाद दुहन, विनीत पांडेय और गीतकार चरणजीत 'चरण' की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी, व्यंग्य और भक्ति के संगम से सराबोर कर दिया। तीनों दिन फल्गु तीर्थ परिसर लोकसंगीत, नृत्य और काव्य से गूंजता रहा। सभी अतिथियों ने कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद देते हुए ऐसे आयोजनों को हरियाणवी विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार का प्रेरणास्रोत बताया।

वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा इसे "एक सांस्कृतिक चेतना का उत्सव" कहते हैं, जो समाज के लिए एक सुखद अनुभव और उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह की नज़र में 'फल्गु उत्सव' अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित एक सकारात्मक और सफल प्रयास है जो समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी.एस. चौहान का मानना है कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का संगम है, जो युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ता है। इसी प्रकार उत्तर मध्य सांस्कृतिक कला केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का सपना देखते हैं और इसे संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक सार्थक योगदान मानते हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंहल कहते हैं कि फल्गु उत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के तीर्थों के प्रचार-प्रसार और रख-रखाव के संकल्प में सहयोगी प्रतीत होता है।

वहीं लंदन में रहने वाले प्रसिद्ध रेडियो कलाकार रवि शर्मा का मानना है कि ऐसे आयोजन मन को आनंदित करते हैं। पद्मश्री महाबीर गुड्डू कहते हैं कि 'फल्गु लोककला महोत्सव' कला और संस्कृति के आनंद का उत्सव है। महोत्सव के संयोजक दिनेश शर्मा 'दिनेश' का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव फल्गु मेले के रूप में विकसित हो, जो पितृपक्ष के पूरे सोलह दिनों तक चले और हजारों कलाकारों तथा लाखों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ दे। उनका मानना है कि यह न केवल संस्कृति के संरक्षण का एक प्रयास है, बल्कि फल्गु तीर्थ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी एक माध्यम है। फल्गु तीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित यह महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कविता | सविता गर्ग 'सावी'

विष्णु चरण तै निकली गंगा

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

राजा सागर के पुत्रां नै जब
कपिल मुनि का उपहास करया
आंख खोल कै गेड़ी दृष्टि
पल में सब तै भसम करया
जब दुनिया नै बेरा पाटया मचगी सारै दुहाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

स्वर्ग लोक तै चल कै गंगा
मृत्यु लोक मैं आई
सब ऋषियां की कुटिया बह गई
मच गई सारै तबाही
जाहनू ऋषि नै पी कै गंगा मन मैं शांति पाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

हाथ जोड़ कै बोल्या भागीरथ
विनती मेरी स्वीकार करो
मेरे पित्तर सै अधोगति मैं
उन सब का उद्धार करो
सावी गावै झूम झूम कै जय हो गंगा माई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

गीत | सुरेश भाणा

नशा करै बुरी दशा

नशा करै बुरी दशा क्रोध का बाप बताया जा
क्रोध के कारण मति भ्रम हो ना बिल्कुल भी समझाया जा

नशे के कारण इस जग में ज्यादा झगड़े होते देखे
बुद्धि से ना काम लेवैं, वैं फेर पाछै तै रोते देखे
लाख बुराई हर तरियां की अपने सिर पै ढोते देखे
भाईचारा रिस्तेदारी और यारी नै भी खोते देखे
काम ईसा कर जाते जो ना फेर पाछै तै सँगवाया जा

नशा करणिया माणस के घर होज्या धन का टोटा
उसका कुणबा भूखा सोवै काम बणै घणा खोटा
टूम ठेकरी बासण बिकज्या सिर पै हो कर्जा मोटा
सारी दुनिया देवै बुराई छुटज्या मेर मळओटा
चिंता रहती चौबीस घंटे फेर पिया जा ना खाया जा

क्रोध के कारण बैर बढै ये पैदा होज्यां कठिनाई
क्रोध के कारण अक्ल खत्म हो रहै ना गात समाई
क्रोध के कारण कुणबा टूटै और न्यारे होज्यां भाई
क्रोध के कारण बड़े बड़े खपगे ना कोई निशानी पाई
क्रोध करणिया माणस फेर सारे जग में बिसराया जा

काम क्रोध मद लोभ छोड़ कै प्यार निभाणा चाहिए
छोटी मोटी बातां पै ना कदे गुस्सा ठाणा चाहिए
जो लागै बोल सभी नै सुथरा ईसा ए गाणा चाहिए
जन्म लेण नै फेर दोबारा मनै यो पाई भाणा चाहिए
कहै सुरेश गुरु चरणों में यो हरदम शीश झुकाया जा

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

नैतिक मूल्य | संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए, डिजिटल युग में मोबाइल फोन बन रहे अकेलेपन के साथी

चिंता का विषय है बदलता सामाजिक परिवेश

जीवनशैली | कृष्ण गोपाल सोलंकी

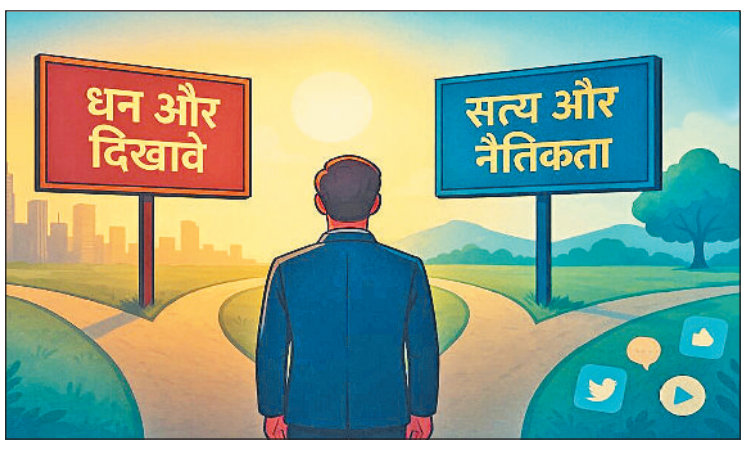

अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक गति देना आवश्यक है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम पहले एक स्वस्थ और संस्कारवान माहौल तैयार करें और उसकी शुरुआत अपने घर से करें। महँगे संसाधनों से ज्यादा बच्चों को हमारे 'समय' और 'साथ' की जरूरत है। हम अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा जरूर दें, लेकिन उसके साथ सुसंस्कारों की नींव भी रखें। जब तक शिक्षा और संस्कार का मेल नहीं होगा, तब तक हम एक सुखी और सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अंततः, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा ताकि हरियाणा का वह खोया हुआ सौहार्द और प्रेम पुनः लौट सके।

हरियाणा प्रदेश, जिसे कभी अपने दूध-दही के खान-पान, आपसी प्रेम, भाईचारे और अटूट सहयोग के लिए जाना जाता था, आज एक अजीब से संक्रमण काल से गुजर रहा है। जिस धरती की पहचान बड़ों के प्रति अगाध सम्मान और निःस्वार्थ सेवा थी, आज वहां की तस्वीर कुछ धुंधली और अलग हो गई है।

यह विडंबना ही है कि विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए हम अपने नैतिक मूल्यों को पीछे छोड़ आए हैं। नई पीढ़ी के व्यवहार में बड़ों के प्रति सम्मान, दिखावे की खोखली जिंदगी और बढ़ती नशाखोरी आज हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए गहरी चिंता का विषय बन गई है। आज का इंसान अपने वास्तविक स्वधर्म और मानवता को भूलकर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के दलदल में बुरी तरह फंस गया है। जिसके कारण समाज में नैतिक मूल्यों का पतन बड़ी तेजी से हो रहा है। भाईचारे की मिसाल कहे जाने वाले हरियाणा में इन दिनों ऐसी-ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे मानवता शर्मसार हो उठती है। सहनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि जरा-जरा सी बात पर खून-खराबा होना आम बात हो गई है। उदाहरण के तौर पर, अक्सर देखने में आता है कि खेत की एक इंच मेंढ़ या घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने जैसी मामूली बात पर वर्षों पुराने पड़ोसी या सगे भाई एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी पड़ोसी के दुख को अपना दुख समझा जाता था, लेकिन आज क्रोध और अहंकार ने विवेक को हर लिया है। भौतिक सुखों की अंधी दौड़ और खुद को रातों-रात अमीर बनाने की चाहत में माता-पिता अब अनजाने में ही सही, अपने बच्चों को वह समय नहीं दे पा रहे हैं, जो उनके चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य था। इसका परिणाम यह हुआ है कि संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए हैं; अलग-अलग चौखटें और अलग-अलग रास्ते हो गए हैं। इस अलगाव का सबसे बड़ा और दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। जिस उम्र में उन्हें घर के बुजुर्गों के सानिध्य में स्नेह, सहयोग, तालमेल और रिश्तों की मिठास सीखनी चाहिए थी, उस कच्ची उम्र में वे मोबाइल की दुनिया में अकेलेपन के साथी बन गए हैं। वे बेढंगी और अर्थहीन 'रील्स' देख रहे हैं और खुद भी वैसा ही बनावटी जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं। इस जलती आग में घी डालने का काम किया है, नए दौर के हरियाणवी गानों ने। साहित्य और संगीत, जो कभी समाज का दर्पण हुआ करते थे, आज पथभ्रष्ट हो चुके हैं। इन गीतों की भाषा शैली न केवल असभ्य है, बल्कि यह लेखकों की परवरिश और उनके संस्कारों पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती है। गीतों में जेल, पिस्तौल, बदमाशी, मार-काट और शराब जैसे शब्दों का प्रयोग और महिमामंडन इस प्रकार किया गया है, जिससे प्रभावित होकर युवा वर्ग इसे ही जीवन का 'सच्चा सुख' और 'रुतबा' मान बैठा है। तकनीकी और पैसे के इस दौर ने माता-पिता से जहाँ उनके बच्चे छीन लिए, वहीं माता-पिता भी अपनी व्यस्तताओं के चलते अपने बच्चों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। संवादहीनता के इस दौर में सहनशीलता पूरी तरह ख़त्म हो गई है। आज के बच्चे जीवन के छोटे-छोटे संघर्षों और बुरे समय का सामना करने से डरते हैं। उनकी मानसिक स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि परीक्षा में थोड़े कम अंक आ जाएं या कोई मनचाही वस्तु न मिले, तो वे आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पास कोई अपना ऐसा नहीं है जिससे वे मन की बात कर सकें, कोई समझाने वाला नहीं है जो उन्हें बताए कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। ऐसे में यह प्रत्येक माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों के प्रति सजग रहें। घर से बाहर कदम रखते बच्चों के बारे में माता-पिता को यह पता होना ही चाहिए कि हमारा बच्चा कहाँ है, किसके साथ उठ-बैठ रहा है और वह क्या करता है?

हरियाणा की माटी से निखरी कला-साधिका ममता शर्मा

कलाकार | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

अंधेरी रात जब बीते उजाला लौट आता है,
अमावस का अंधेरा भी कभी ना रोक पाता है।
करे कोशिश अगर कोई, सफलता मिल ही जाती है;
इरादे हों अटल जिसके, जमाना सिर झुकाता है।

कुछ ऐसी ही होती है जीवन में संघर्षों से होकर सफलता तक पहुँचने की कहानी। यदि हौसलों में उड़ान हो तो अभाव केवल पड़ाव बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति के फलक पर शोभित लोक कलाकार ममता शर्मा ने यह सिद्ध करके दिखाया है। एक श्रमिक परिवार की बेटी से लेकर आज अनगिनत मंचों की शान बनने तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी है।रोहतक जिले के गाँव मुरादपुर टेकना में एक अत्यंत साधारण और कृषक परिवार में जन्मी ममता का बचपन आर्थिक तंगी में गुज़रा।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी कर घर का खर्च चलाते थे। वे भले ही अक्षरज्ञान से दूर थे, किंतु अपनी संतानों को संस्कार और स्वाभिमान का पाठ पढ़ाना भली-भांति जानते थे। ममता बताती हैं, "दरिद्रता हमारे घर की चौखट पर अवश्य थी, किंतु मेरे माता-पिता ने हमारे आत्मबल को कभी विपन्न नहीं होने दिया।" ममता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा (आठवीं तक) गाँव के ही सरकारी विद्यालय से तथा दसवीं की परीक्षा मोखरा गाँव से

उत्तीर्ण की। बाल्यकाल से ही उनके मन में हरियाणवी संस्कृति, मटका दौड़, नाटक और पारंपरिक वेशभूषा के प्रति गहरा अनुराग था। विद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में वह अपनी कला का लोहा मनवाती रहीं। किंतु नियति को कुछ और ही स्वीकार था।घर की विषम परिस्थितियों के चलते, महज 15 वर्ष की अल्पायु में ही उन्हें गृहस्थी के बंधन में बाँध दिया गया। उनका विवाह हिसार के निकट स्थित गाँव बांस में हुआ। एक हँसती-खेलती किशोरी ने सिर पर घूँघट और घर-गृहस्थी की बड़ी जिम्मेदारियों के बीच अपने कलाकार मन को एक लंबी चुप्पी में कैद कर लिया। ममता अतीत के पन्ने पलटते हुए कहती हैं, "विवाह के उपरांत नए दायित्व थे, संतान सुख था और भरा-पूरा परिवार था। मैंने सब कुछ संभाल लिया, किंतु हृदय के किसी कोने में एक कसक बाकी थी कि मेरा सपना अधूरा है। मुझे अपनी लोक-परंपरा के संरक्षण के लिए कुछ करना है।"

बदलते समय के साथ ममता के सपनों को नया जीवन मिला। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, ठेठ बोली और सादगी से भरे वीडियो साझा करने शुरू किए। उनकी सहजता और लोककला ने जनमानस को प्रभावित किया और वह अत्यंत लोकप्रिय हो गईं।उनका मानना है कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पति सुरेश शर्मा का है। हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में जहाँ प्रायः वधुओं की प्रतिभा चूल्हे-चौके तक सिमट जाती है, वहीं ममता के पति ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल ममता की कला का साथ दिया, बल्कि उनकी अधूरी शिक्षा को भी पुनः आरंभ कराया। एक वर्ष पूर्व उन्होंने ममता का बारहवीं कक्षा में नामांकन करवाया। ममता का कहना है, "सीखने की कोई समय-सीमा नहीं होती। आज मैं अध्ययन भी कर रही हूँ, गृहस्थी भी संभाल रही हूँ और मंच पर भी सक्रिय हूँ। मेरा उद्देश्य उन महिलाओं में चेतना जगाना है जो विवाह के उपरांत अपने स्वप्नों को तिलांजलि दे देती हैं।"इसी संदर्भ में वह भावुक होकर कहती हैं, "आज यदि मैं समाज के समक्ष चमक रही हूँ, तो इसमें मेरी मेहनत से अधिक मेरे पति का त्याग है। वे मुझे प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयं छोड़कर जाते हैं और ससम्मान वापस लाते हैं। ससुराल में आकर यदि उनका साथ न मिलता, तो मैं कभी भी घर की देहली नहीं लांघ पाती।

गुरु का सान्निध्य और शिक्षा की नई अलख

ममता की प्रतिभा को वास्तविक विस्तार पद्मश्री महावीर गुड्डू के सान्निध्य से मिला, जिन्होंने उनकी कला को तराशा और उन्हें प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। वह 'इंडियाज गॉट टैलेंट' जैसे बड़े मंच पर भी हरियाणवी संस्कृति का परचम लहरा चुकी हैं। अब वह विदेशों में भी हरियाणवी संस्कृति का ध्वज फहराने की तैयारी कर रही हैं। ममता शर्मा का लक्ष्य केवल प्रशंसा बटोरना नहीं है। उनकी आँखों में एक बड़ा सपना तैर रहा है। वह दृढ़ता से कहती हैं, "मेरी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब हरियाणवी लोक कला, हमारा परिधान और हमारे संस्कार हिंदी सिनेमा से लेकर विदेशी मंचों तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। यह मेरा स्वप्न मात्र नहीं, अपितु संकल्प है।"

खबर संक्षेप

अमित सैनी ने हरियाणवी संस्कृति को बढ़ाया आगे

बहादुरगढ़। यशपाल हिंदुस्तानी ने प्रसिद्ध हरियाणवी सिंगर अमित सैनी रोहतकिया से मुलाकात कर कला एवं संगीत क्षेत्र में किए जा रहे योगदान के लिए की सराहना की। यशपाल ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति और लोकगीतों को आगे बढ़ाने में सिंगर अमित सैनी का योगदान सराहनीय है।

सट्टा खाईवाली करते युवक को दबोचा

बहादुरगढ़। थाना सदर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नया गांव चौक क्षेत्र में सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए एक युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जटवाड़ा मौहल्ला निवासी अमित को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक बॉल पेन, सट्टा पर्ची और 730 रुपये नकद बरामद हुए। उसके खिलाफ हरियाणा प्रिवेंशन ऑफ पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 23 से

रेवाड़ी। पुराना कोर्ट रोड स्थित अग्रवाल भवन में 23 से 29 दिसंबर तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन जगन्नाथ पुरी धाम से जगन्नाथ संस्कृति के प्रकांड विद्वान एवं भविष्य मालिका पुराण के रचयिता पंडित डा. काशीनाथ मिश्र की दिव्य वाणी में होगा। पंडित डा. काशीनाथ मिश्र के अनुयायी नवीन भुराड़यिा ने बताया कि 23 से 29 दिसंबर तक पुराना कोर्ट रोड स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित होने वाली कथा में प्रभु के दारू ब्रह्म स्वरूप श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र व माता सुभद्रा जगन्नाथ धाम से आ रहे हैं, जिनके दर्शन मात्र से ही समस्त पापों का नाश हो जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ 23 दिसंबर को प्रातः 8 बजे जगन्नाथ मंदिर बारा हजारी से कलश यात्रा के साथ होगा।

वाइस चेयरमैन का किया अभिनंदन

रेवाड़ी। रविवार को महावर वैश्य युवा समिति की ओर से मार्केट कमेटी के नवनियुक्त वाइस चेयरमैन नवल किशोर गुप्ता और सदस्य विष्णु गुप्ता का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर महावर वैश्य युवा समिति के प्रधान रिंकेश गुप्ता, उपप्रधान राजेश गुप्ता, श्याम गुप्ता आदि मौजूद थे।

टेस्ट में 10755 छात्रों ने लिया भाग

रेवाड़ी। राठ इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल की ओर से रविवार को स्कॉलरशिप कम ऐडमिशन टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 10755 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने कहा कि कोई भी मेधावी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा और अवसर से वंचित नहीं रहे। टेस्ट पास करने वाले बच्चों को 100 प्रतिशत तक ट्यूशन फीस में स्कॉलरशिप दी जाएगी।

जैन समाज ने भगवान पार्श्वनाथ की जयंती श्रद्धा और उत्साह से मनाई

अनाजमंडी पांडूशिला पर पूजा अर्चना के बाद भंडारे में प्रसाद बांटा

बहादुरगढ़। भगवान पार्श्वनाथ की पूजा करते जैन धर्मावलंबी तथा भंडारे में प्रसाद वितरित करते जैन समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

रविवार को शहर की अनाज मंडी में स्थित पांडू जिला पक्षी दाना स्थल पर भगवान पार्श्वनाथ की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिसमें जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार सुबह शांतिधारा के बाद भगवान का अभिषेक किया गया। इसके बाद नवकार मंत्र का जाप हुआ। तत्पश्चात भंडारा आयोजित किया गया। पूजा कार्यक्रम के दौरान भगवान पार्श्वनाथ के जीवन, अहिंसा, सत्य और करुणा के संदेशों पर प्रकाश डाला गया। समिति प्रधान सुनील जैन ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ द्वारा बताए गए मार्ग आज के समय में भी मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं और समाज को शांति व सद्भाव का संदेश देते हैं। पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और शहरवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान सेवा भावना और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, पार्षद अन्नू सिंघल, नरेंद्र जैन, नितिन जैन, जनेंद्र जैन, विजय जैन, रत्तन जैन, विनोद जैन, राजीव जैन, संजय जैन, सुरेंद्र जैन, लाला जैन, संदीप जैन, किरण जैन, सारिका जैन, नेहा जैन, पदमा जैन, रामरति जैन, कृष्णा जैन आदि ने शिरकत की।

■ जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

झज्जर। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि के साथ उपस्थित प्रतिनिधि मंडल के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भाजपा जिलाध्यक्ष से मिले बैरागी समाज के लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बैरागी समाज का एक प्रतिनिधि मंडल रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि से मिलने पहुंचा। जिला प्रधान कुलदीप स्वामी की अध्यक्षता में पहुंचे इस प्रतिनिधि मंडल का जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने स्वागत किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिलाध्यक्ष के समक्ष शहर में बंदा वीर बैरागी के नाम से चौक स्थापित करने व बैरागी समाज की धर्मशाला के लिए भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। प्रतिनिधि मंडल की बात सुनने उपरांत विकास वाल्मीकि ने दोनों विषयों पर समाजहित में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर आजाद स्वामी, सुरेश स्वामी, धर्मबीर स्वामी, प्रदीप स्वामी, रघुबीर स्वामी, महेश स्वामी, रोहतास स्वामी, बिजेंद्र स्वामी, जगबीर स्वामी, हरीश स्वामी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

■ प्रतिनिधि मंडल ने बंदा वीर बैरागी नाम से चौक स्थापित करने व धर्मशाला के लिए जमीन मुहैया कराने का रखा प्रस्ताव

दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना -2 का लाभ उठा सकेंगे पीपीपी धारक

दावों की जांच एवं अंतिम निर्णय के लिए जिला स्तरीय समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के परिवारों की सामाजिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय परिवार सुरक्षा योजना-2 लागू की गई है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि योजना के अंतर्गत बेसहारा, पालतू या जंगली पशुओं द्वारा हुई दुर्घटना में घायल या दिव्यांग होने लोगों तथा इस प्रकार की दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के परिजनों को सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत केवल वे घटनाएं मान्य होंगी जो 5 सितंबर 2025 की अधिसूचना के बाद हुई हों। इस योजना के अंतर्गत मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में आयु-आधारित सहायता राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें 12 वर्ष तक 1 लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष के लिए 2 लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष के लिए 3 लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए 3 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दावों की जांच एवं अंतिम निर्णय के लिए जिला स्तरीय समिति गठित की गई है, जिसमें उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, डीटीओ, सीएमओ तथा जिला सांख्यिकी अधिकारी शामिल हैं। समिति 120 दिनों के भीतर निर्णय लेगी और अनुमोदन के बाद 6 सप्ताह में राशि जारी की जाएगी।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के परिजनों को सहायता प्रदान की जाएगी।

उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल

शिविर में 96 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को काठ मंडी बेरी स्थित अग्रवाल स्वागत भवन में गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः करीब नौ बजे शुरू हुए इस शिविर में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट तथा इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ जूरिस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर आदिश सी अग्रवाला ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मंच द्वारा आयोजित इस 53वें रक्तदान शिविर में रक्त एकत्रण का कार्य एक्स बाढ़सा के ब्लड बैंक से डॉक्टर राहुल फौगाट व प्रदीप की टीम द्वारा किया गया।

मुख्यातिथि डॉक्टर आदिश सी अग्रवाला ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया। शिविर में कुल 96 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस दौरान जहां चांद सिंह, राकेश सैनी, प्रदीप, भुवन वशिष्ठ, अजीत कुमार, संदीप, अभिषेक कुमार व दीपांशु ने पहली बार रक्तदान किया वहीं एक से अधिक बार रक्तदान करने वाले युवाओं में मनीष, अनिल, संजय, निदेश, अमित, महेश सुनील, राहुल, हरिपाल, पवन वत्स, आशीष, हवा सिंह, बिजेंद्र, सतीश कुमार, सुरेंद्र, नीरज, साहिल, देवेंद्र, मुकेश, प्रवीण कुमार, बंटी, रजनेश, दीपक, जगबीर, सोम, रविंद्र, संदीप, प्रेम कुमार आदि रक्तदाता शामिल रहे।

झज्जर। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए मुख्यातिथि एवं मंच पदाधिकारी।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर स्वागत संगठन के संयोजक तथा पूर्व पार्षद जय भगवान, संगठन अध्यक्ष दिनेश कुमार, बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक गोयल, एडवोकेट नवीन बंसल, एडवोकेट रामबीर कादियान, कृष्ण अवतार जिंदल, मास्टर रविन्द्र, अग्रवाल सभा बेरी के अध्यक्ष संजय सिंघल, रविंद्र बरवाल तथा मुकेश ऐरण, एडवोकेट हरिओम कादियान, एडवोकेट दीपक वर्मा, श्यामबीर कादियान, मनीष कादियान, सुनील रंगा, मोहित वर्मा, दिनेश शर्मा, मनीष बंसल, मोहित, प्रतीक बंसल, प्रवीण कंसल, हर्ष ऐरण, अनिल, मनीष ऐरण, महेश खंडेलवाल, राजबाला, दीपिका, सोनू ऐरण, सुशीला शर्मा, सुषमा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। समारोह में लेफ्टिनेंट हितेष चाहर के साथ उपस्थित विधायक आदित्य देवीलाल चौटाला। फोटो : हरिभूमि

लेफ्टिनेंट बने हितेष चाहर को बधाई देने पहुंचे आदित्य देवीलाल चौटाला

झज्जर। क्षेत्र के गांव खोरड़ा निवासी हितेष चाहर का चयन लेफ्टिनेंट पर पद हुआ है। उसके लेफ्टिनेंट बनने पर गांव में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डबवाली से विधायक आदित्य देवीलाल चौटाला ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने हितेष चाहर को बधाई देते हुए अन्य युवाओं से भी हितेष से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस मौके पर उनके साथ इनेलो जिला प्रधान सतपाल पहलवान, कार्यालय सचिव पवन धनखड़, शहरी अध्यक्ष हरमेश सैनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने किए मां भीमेश्वरी देवी के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेरी

माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में रविवार सायं हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने देवी मंदिर पहुंच माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित कुलदीप वशिष्ठ ने कैबिनेट मंत्री को ऐतिहासिक कस्बा बेरी और माता भीमेश्वरी देवी के दोनों मंदिरों से जुड़े इतिहास की विस्तार से जानकारी दी। मंदिर से जुड़ी परंपरा जानने के बाद उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध माता भीमेश्वरी देवी मंदिर आकर सुखद महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि जगत माता का आशिर्वाद सभी पर बना रहे,ऐसी माता से प्रार्थना करते हैं। इस दौरान समस्तीपुर बिहार के विधायक राजेश कुमार, बहादुरगढ़ के पूर्व विधायक नरेश कौशिक, पूर्व चेयरमैन मनीष शर्मा नंबरदार सहित अन्य मौजूद रहे।

बेरी। माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में पूजा अर्चना करते सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से अवगत करवाती अध्यापिका।

माउंट व्यू स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

बहादुरगढ़। माउंट व्यू स्कूल में शनिवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन हुआ। स्कूल प्रिंसिपल सुरेंद्र छिल्लर ने बताया कि सम्मेलन में काफी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेते हुए अपने बच्चों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने में गहरी रुचि दिखाई। अध्यापकों से मिलकर आगामी रणनीति पर विचार विमर्श किया। स्कूल डायरेक्टर देवेंद्र लाठर ने कहा कि अध्यापक, अभिभावक व विद्यार्थी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के तीन मुख्य पक्ष हैं। प्राचार्य सुरेंद्र छिल्लर ने कहा कि अभिभावकों ने इतनी बड़ी संख्या में आकर बच्चों की शिक्षा के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। उन्होंने सभी अभिभावकों का विद्यालय परिसर में अभिनंदन किया।

गुरूटेक सोसायटी में घुसे सशस्त्र बदमाश, सीसीटीवी में हुए कैद

■ पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान

■ फ्लैट मालिक ने पुलिस को दर्ज कराई शिकायत, आरोपियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

गुरूटेक सोसायटी में पांच नकाबपोश सशस्त्र बदमाश घुसने का मामला सामने आया है। एक फ्लैट का दरवाजा भी तोड़ दिया, लेकिन सोसायटी के लोगों की नींद खुलने के बाद आरोपी वहां से भाग गए।

सोसायटी के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में पांचों आरोपी नजर आ रहे हैं। थाना कसोला पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। इस घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। यह घटना बीते शनिवार तड़के की है। पांच चेहरे पर मास्क लगाए हुए सशस्त्र बदमाश सोसायटी में प्रवेश करने के बाद फ्लैट नंबर 170-जीएफ तक पहुंच गए। इसके बाद बदमाशों ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ दिया। आवाज सुनकर सोसायटी के लोग उठ गए। बदमाश लोगों की नींद खुलते ही फ्लैट की सीढ़ियों से उतरकर दीवार फांदकर फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरों में दर्ज हुई वारदात के अनुसार बदमाश फ्लैट नंबर 182 जीएफ तक भी पहुंच गए। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे देखने के बाद वापस चले गए। इससे पूर्व बदमाशों ने आराम से घूमकर कई फ्लैटों का जायजा लिया, ताकि वह वारदात को अंजाम दे सकें। बदमाशों के निकल जाने के बाद सोसायटी लोग एकत्रित हो गए। उन्होंने अपने स्तर बदमाशों का पता लगाने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली। सोसायटी के लोग एकत्रित होकर थाना कसोला पहुंचे। इसके बाद फ्लैट मालिक डा. आनंद ने कसोला पुलिस थाने को शिकायत दर्ज कराई।

रेवाड़ी। पूजा यादव कुलपति व स्टाफ के साथ।

प्रबंधन विभाग की शोधार्थी पूजा को मिली पीएचडी की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग की शोधार्थी पूजा यादव ने 'पैरासोशल रिलेशनशिप के पूर्ववर्ती कारण एवं ग्राहक संतुष्टि पर इसका प्रभाव' विषय पर अपना शोध पूर्ण करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने अपना शोध कार्य प्रबंधन विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. भारती के मार्गदर्शन में संपन्न किया।

पूजा यादव ने शोध में यह अध्ययन किया कि डिजिटल युग में उपभोक्ताओं और एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट और सीरी जैसे वॉयस असिस्टेंट के बीच बनने वाले पैरासोशल रिलेशनशिप के प्रमुख पूर्ववर्ती कारक क्या हैं और यह एकतरफा संबंध ग्राहक विश्वास, निष्ठा और संतुष्टि पर किस प्रकार प्रभाव डालता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने पूजा यादव को उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनका शोध प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमता क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है और डिजिटल उपभोक्ता व्यवहार की नई दिशाओं को उजागर करता है। पूजा यादव ने अपने मार्गदर्शक डा. भारती, विभागीय संकाय एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

लेफ्टिनेंट बनकर गांव लौटे भविष्य का जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डहीना

आर्मी में लेफ्टिनेंट बनने के बाद रविवार को अपने गांव धवाना पहुंचे भविष्य यादव का ग्रामीणों का जोरदार स्वागत किया। उन्हें सीहा बस स्टैंड से ढोल नगाड़ों तक गांव लाया गया। कोसली के विधायक अनिल यादव ने भी भविष्य को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। रोडवेज विभाग में कार्यरत धवाना निवासी विनोद कुमार के बेटे भविष्य यादव ने वर्ष 2022 में एनडीए जवाइन की थी। वह देहरादून आईएनए से लेफ्टिनेंट बने हैं। उनके दादा स्व. रामस्वरूप यादव आर्मी में ऑर्डिनरी कैप्टन से रिटायर हुए थे। दादा के पदचिन्हों पर आगे बढ़ने के लिए भविष्य ने सेना की नौकरी को चुनते हुए यह मुकाम हासिल किया है। उनके स्वागत समारोह में सरपंच बाबूलाल, एसडीओ प्रवीण कुमार, जिले सिंह यादव निमोठ, प्राचार्य नरेंद्र यादव मंदोला, पार्षद भूपेंद्र व धर्मपाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। भविष्य यादव के लेफ्टिनेंट बनने पर गांव में जश्न का माहौल बना रहा।

रेवाड़ी। लेफ्टिनेंट भविष्य का सम्मान करते विधायक अनिल यादव।

कंपनी कर्मचारी ने फांसी का फंदा लगाकर जान दी

■ नीलगिरी सोसायटी में शनिवार की रात की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

नीलगिरी सोसायटी में शनिवार की रात एक कंपनी कर्मचारी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। कंपनी में नौकरी करने वाला 22 वर्षीय पुनीत शनिवार को शाम के समय घर आने के बाद चाय पीकर अपने कमरे में चला गया। रात को उसकी मां ने खाना खाने के लिए आवाज लगाई, तो उसका कोई जवाब नहीं आया। जब मां ने उसके कमरे में जाकर देखा, तो पुनीत का शव फांदी के फंदे पर लटक रहा था। उसकी मां ने बेटे को फंदे पर लटका हुआ देखकर शोर मचा दिया। आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए। सूचना मिलने के बाद थाना धारूहेड़ा प्रबंधक कश्मीर सिंह मौके पर पहुंच गए।

दहेज प्रताड़ना के मामले में आरोपित गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस शिकायत में एक गांव निवासी विवाहिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए परेशान करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे, परंतु सहमति नहीं बनी। पुलिस ने 2 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर निवासी अनिल को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट की ओर से किए गए सर्वे में दावा

दिल्ली–रोहतक रोड बना ध्वनि प्रदूषण का हॉटस्पॉट, आमजन हो रहा परेशान

अनधिकृत प्रेशर हॉर्न पर लगे पूर्ण प्रतिबंध, अनावश्यक हॉर्न बजाने वालों पर हो कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वायु प्रदूषण के कारण देशभर में सुर्खियों में रहने वाला बहादुरगढ़ ध्वनि प्रदूषण में भी अन्य शहरों को पछाड़ रहा है। साइलेंट खतरे के रूप में तेजी से बढ़ रही यह समस्या लोगों के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रही है। आमजन तो इसके प्रति लापरवाह है ही, प्रशासन भी इसे खतरे को कम करने के लिए ठोस प्रयास करता नजर नहीं आ रहा।

बहादुरगढ़। शहर के दिल्ली रोहतक रोड पर जाम में फंसे वाहन। फोटो : हरिभूमि

शहर का दिल्ली–रोहतक रोड ध्वनि प्रदूषण का हॉटस्पॉट बना हुआ है। इस सड़क पर कई नामी स्कूल, सरकारी व निजी अस्पताल, बाजार और सार्वजनिक संस्थान हैं। पर्यावरण की दिशा में बेहतर काम कर रहे क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट द्वारा किए गए एक सर्वे में सामने आया कि इस क्षेत्र में ध्वनि स्तर 65 से 92 डेसिबल तक दर्ज किया गया, जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानक (दिन में अधिकतम 55 डीबी, रात में 45डीबी) से कहीं अधिक है। ट्रस्ट की टीम ने डेसिबल डीबी साउंड मीटर अल्ट्रा एप के माध्यम से यह सर्वे किया। अधिकांश लोगों को ध्वनि प्रदूषण के कानूनी मानकों की जानकारी नहीं है। हॉर्न का प्रयोग केवल तीखे मोड़ों या ऐसे स्थानों पर किया जाना चाहिए, जहां सामने से आने वाला वाहन दिखाई न देता हो। इसके विपरीत शहर में हॉर्न का प्रयोग आदत और प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है। इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने, अनधिकृत प्रेशर हॉर्न पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, अनावश्यक हॉर्न बजाने वालों पर कार्रवाई करने तथा स्कूल, अस्पताल और बाजार क्षेत्रों को प्रभावी रूप से साइलेंट जोन घोषित किए जाने की जरूरत है। सिर्फ मुख्य सड़कें ही नहीं, बल्कि रिहायशी इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। सर्वे के दौरान पाया गया कि स्कूल बस, स्कूल वैन, दूध सप्लाई वाहन और कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां घर-घर सुविधा देने के नाम पर अनधिकृत प्रेशर हॉर्न का उपयोग करती हैं। इन वाहनों का उद्देश्य लोगों को अपने आने की सूचना देना होता है, ताकि घर की डोरबेल न बजानी पड़े। लेकिन इसके चलते आसपास के अन्य लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

चालक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए प्रेशर हॉर्न का प्रयोग कर रहे

प्रदीप रेढू ने बताया कि यह सर्वे 10 नवंबर को एक ही दिन में दो बार किया गया। सेक्टर-6 ट्रैफिक लाइट पर दोपहर के वक्त 68 डीबी तो शाम को 71.8 डीबी शोर मिला। नागरिक अस्पताल के पास दोपहर को 65 तो शाम को 73.6 डीबी का आंकड़ा दर्ज किया गया। वहीं झज्जर मोड़ पर दोपहर में 70 तो शाम को 82.8 सुनने को मिला। रेलवे रोड पर तो दोपहर को आंकड़ा 90 डीबी तक पहुंच गया, जबकि शाम को 77.6 डीबी रहा। इसी तरह पुराने अड्डे के पास 91.9 दोपहर तो 74.1 डीबी शाम को दर्ज किया गया। इस तरह से कुछ स्थानों पर ध्वनि का स्तर निर्धारित सीमा से लगभग दो गुणा तक मिला। प्राइवेट बस, ई-रिक्शा और ऑटो चालक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए लगातार प्रेशर हॉर्न का प्रयोग कर रहे हैं। ट्रैफिक लाइट पर चालक भी बिना किसी आवश्यकता के हॉर्न बजाते हैं। साइड लेने या आगे निकलने के लिए हॉर्न का अनावश्यक प्रयोग तथा खाली सड़क पर भी हॉर्न बजाना अब एक मानसिक आदत बनती जा रही है। यदि एक भी वाहन निर्धारित सीमा से अधिक क्षमता वाले प्रेशर हॉर्न का उपयोग करता है, तो ध्वनि स्तर 90 से 100 डीबी तक पहुंच सकता है।

तेज आवाज से शारीरिक व मानसिक दशा बुरी तरह से होती है प्रभावित

चिकित्सक डॉ. अजय जैन ने बताया कि लंबे समय तक तेज आवाज के संपर्क में रहने से शारीरिक व मानसिक दशा बुरी तरह से प्रभावित होती है। ध्वनि प्रदूषण से बच्चों का विकास प्रभावित होता है वहीं गर्भवती महिलाओं के शिशु पर खतरा बढ़ जाता है। बुजुर्ग हृदय रोग, बेचनी व बीपी से परेशान होते हैं। तेज शोर से जानवरों में तनाव और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ सकती है। उनकी सुनने की क्षमता और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने चाहिएं। बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन से लेकर ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन तक के क्षेत्र को नो हॉर्न जोन घोषित किया जाए।

झज्जर। बैठक में अपनी बात रखते जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार जांगड़ा।

बैठक में समाजहित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

■ जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा मेन बाजार स्थित जांगड़ा धर्मशाला में एक जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार जांगड़ा ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता रणसिंह जांगड़ा ने की। बैठक में उपस्थित महासभा सदस्यों के समक्ष महासचिव सतीश जांगड़ा व संरक्षक रामेश्वर जांगड़ा द्वारा एजेंडा प्रस्तुत किया गया, जिस पर क्रमवार चर्चा हुई। इस दौरान जिला स्तरीय जांगड़ा धर्मशाला के निर्माण व जांगिड़ समाज प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया जिस पर सभी ने सहमति जताई। इसके अलावा संगठन की मजबूती, समाजहित के कार्य, शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर समितियों के गठन तथा आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आगामी कार्रवाई के लिए 15 दिन बाद फिर से बैठक बुलाने का प्रस्ताव भी रखा गया ताकि जिला स्तरीय जांगिड भवन के लिए सरकार से मिलने संबंधी अभियान में तेजी लाई जा सके।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अखिल भारतीय जांगिड महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोगिंद्र जांगड़ा, अजीत जांगड़ा, रामप्रकाश जांगड़ा, विनोद जांगड़ा, रोहतास, रामकुमार, प्रकाश, नवरत्न, श्रीनिवास, सोमबीर, रामनिवास, सूरजभान जांगड़ा, अनिल कुमार, सुरेश शास्त्री, सतबीर, महेंद्र, धर्मचंद, उमेद, कृष्ण कुमार, दानवीर, कृष्णदत्त, संजय, राजकुमार, प्रवीण जांगड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। मेडिकल कॉलेज में इंटरव्यू लेते डॉ. सुशील गुप्ता व अन्य।

मेडिकल कॉलेज में वॉक इन इंटरव्यू का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में शनिवार व रविवार को शिक्षण पदों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी एवं योग्य चिकित्सकों ने साक्षात्कार दिया।

ट्रस्ट के सलाहकार डॉ. सुशील गुप्ता ने बताया कि महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित यह मेडिकल कॉलेज अत्याधुनिक शैक्षणिक एवं चिकित्सीय सुविधाओं से युक्त है। एनएमसी के टीईक्यू 2025 मानकों के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी ढंग से इंटरव्यू किए गए। इस दौरान प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं सीनियर रेजिडेंट पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। इंटरव्यू में फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, ईएनटी, एनेस्थीसिया, रेडियोडायग्नोसिस, ऑर्थोपेडिक्स, डर्मेटोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन तथा जनरल सर्जरी सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने इंटरव्यू में भाग लिया।

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया का संचालन डॉ. सुशील गुप्ता, डॉ. ओपी कालरा, डॉ. पूनम अग्रवाल व प्रेम गर्ग ने किया।

जयपुर में जीते बीआरजी के धावक

■ सम्मान समारोह में दोनों विजेताओं का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। धर्मवीर व रणबीर को सम्मानित करते बीआरजी के सदस्य।

जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित ऑनर रन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में धर्मवीर ने अपनी आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर 25 हजार रुपए की पुरस्कार राशि जीती, जबकि रणबीर सिंह सांगवान ने द्वितीय स्थान हासिल कर 20 हजार रुपए का पुरस्कार प्राप्त किया।

शहर की एचएल सिटी में बीआरजी द्वारा भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दोनों विजेता धावकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नवनीत दलाल, धर्मवीर, विकास राठी, देव मलिक, नीरज राठी, राजू, रणबीर सांगवान, अनिल शर्मा, आशीष, रचित दलाल व सत्यवान डागर आदि उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने विजेता धावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बीआरजी संयोजक दीपक छिल्लर ने बताया कि समूह से कुल 8 धावक जयपुर ऑनर रन में भाग लेने गए थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 50 प्लस आयुवर्ग में धर्मवीर व रणबीर सांगवान ने अन्य धावकों को पछाड़ते हुए शानदार जीत दर्ज की। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप की ओर से दोनों विजेताओं का भव्य स्वागत किया गया तथा उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

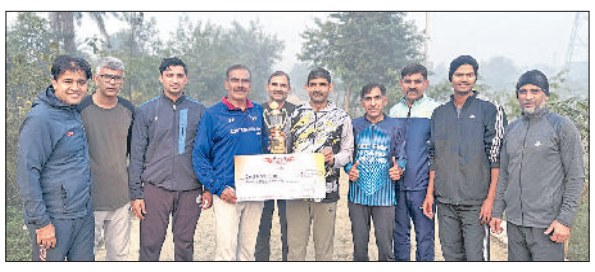

ताऊ देवीलाल धर्मशाला होगी रेनोवेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। शंकर गार्डन में स्थानीय निवासियों के साथ चेयरपर्सन सरोज राठी।

लाइनपार स्थित वार्ड नंबर-5 के शंकर गार्डन में नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा और पार्षद ज्योति कर्मवीर शर्मा का समारोहपूर्वक स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ताऊ देवीलाल धर्मशाला का रेनोवेशन करवाने की मांग की। जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। जनहित को ध्यान में रखते हुए चेयरपर्सन सरोज राठी ने तुरंत जेई को एस्टीमेट बनाकर टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विकास करना है। धर्मशाला जैसे सार्वजनिक स्थलों का विकास सामाजिक कार्यक्रमों और जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धर्मशाला का रेनोवेशन जल्द ही किया जाएगा। पार्षद ज्योति कर्मवीर शर्मा ने कहा कि वे हमेशा वार्ड की समस्याओं को नगर परिषद तक पहुंचाते रहेंगे और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रणबीर, रामचंद्र, अनिल वर्मा, रिशाल सिंह, कपिल, श्रीभगवान, श्रीनिवास गोयल, ओमी राठी, दीपक, रामचंद्र शर्मा, सचिन, निर्मला राणा, कमलेश, प्रकासी, सावित्री, रामफल, मनोज भारद्वाज और धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

झज्जर। ग्रामीणों के समक्ष नाटक की प्रस्तुति देते हुए संस्था सदस्य।

बड़ी सी आशा नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरुक

झज्जर। ब्रेक थ्रू संस्था द्वारा जिले में चलाए जा रहे बड़ी सी आशा कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को क्षेत्र के गांव हसनपुर, डावला, उखलचना, सिलाना, मुंडाहेड़ा व कासनी में नाटक के माध्यम से लोगों को जागरुक किया गया। संस्था सदस्य राहुल ने बताया कि सदस्यों द्वारा नाटक में सुरक्षित माहौल, घर के काम, सपनों को पूरा करने में आने वाली बाधाओं व उच्च शिक्षा के महत्व को दिखाया गया। जिला पार्षद संजय जांगड़ा ने संस्था सदस्यों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों लड़के व लड़कियों में भेदभाव नहीं करना चाहिए। संविधान में सभी को अधिकार मिले हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाएं। इस मौके पर ममता मीणा, साहिल, नरेंद्र व पूनम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

महारैली के लिए दिल्ली रवाना हुए कांग्रेसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। राजेंद्र जून के नेतृत्व में दिल्ली रवाना होते कांग्रेसी। फोटो : हरिभूमि

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून के नेतृत्व में गाड़ियों का काफिला रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ। कांग्रेसी वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित महारैली में भाग लेने के लिए उत्साह के साथ रवाना हुए।

टीकरी के आजाद हिंद ग्राम के नजदीक से कांग्रेसियों का काफिला दिल्ली के रामलीला मैदान के लिए रवाना हुए। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार चुनावों में वोट चोरी कर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। देश के कई राज्यों में हुए चुनावों के नतीजे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जनता की भावना कुछ थी और परिणाम इसके बिल्कुल विपरीत आए। राजेंद्र जून ने कहा कि भाजपा ने चुनावी धांधली और वोट चोरी के सहारे कुछ राज्यों में सत्ता हासिल की है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

ऐसे ही रहा तो जनता का विश्वास व्यवस्था से उठने लगेगा। जबकि कांग्रेस ने हमेशा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने भाजपा की वोट चोरी और चुनावी धांधली के खिलाफ पूरे देश में आवाज बुलंद की है। लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ सड़कों पर उतरकर जनता की आवाज को बुलंद कर रहे हैं।

चौक पर श्रमिकों में बांटे चाय बिस्कुट

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति द्वारा रविवार को रेलवे रोड स्थित लेबर चौक पर रॉबिन हुड आर्मी के सहयोग से जरूरतमंद श्रमिकों के लिए चाय व बिस्कुट वितरण का सेवा कार्य किया गया। दिसंबर की शुरुआती सर्दी होते ही गरीब लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सार्थक सेवा समिति के साथ राबिन हुड आर्मी आगे आई।

इस दौरान गरीब व जरूरतमंद लोगों को चाय और बिस्कुट वितरित किए गए गए।सार्थक सेवा समिति के अध्यक्ष एनएस कपूर और राबिन हुड आर्मी के अजित गोयल ने कहा कि यदि हम सभी एक-दूसरे की मदद करें तो हमारा पूरा जीवन सार्थक हो सकता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

कार्यक्रम | गांव लुहारी में काव्य गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन

गजलकार खेमचंद व मास्टर जय सिंह को मिला कलावती देवी स्मृति सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिन्दी साहित्य कला मंच द्वारा क्षेत्र के गांव लुहारी में काव्य गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र की पूर्व निर्देशिका प्रोफेसर अंजना रानी गर्ग ने की जबकि विख्यात दोहाकार नरेश शांडिल्य मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अलावा दिल्ली से गजलकार शशिकांत व फरीदाबाद से अजय अज्ञात ने भी विशेष रूप से शिरकत की। मंच संचालन खुशबू जैन द्वारा किया गया।

समारोह के दौरान प्रसिद्ध गजलकार मास्टर खेमचंद सहगल को उनकी उत्कृष्ट साहित्य साधना के लिए वर्ष 2024 का कलावती देवी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। वर्ष 2025 का यही स्मृति सम्मान युवा कवि मास्टर जय सिंह जीत को मिला। मंच संस्थापक दिनेश शास्त्री, संरक्षक ताराचंद नादान व संयोजक डॉक्टर रमन शर्मा द्वारा साहित्यकारों को स्मृति सम्मान से नवाजा गया।

लोकार्पण किया

इस दौरान मनमोहन दरवेश, गोरी अरोड़ा, सोनिका सवेरा, बृजबाला गुप्ता, सत्यवान सत्य, अशोक ढोरिया, पवन मित्तल, प्रमोद असर व गौरव कांत ने जहां काव्यपाठ किया वहीं डॉक्टर राजकुमार शर्मा की पुस्तक सफर की रात का लोकार्पण भी किया गया।

झज्जर। साहित्यकारों को सम्मानित करते हुए मंच पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि